>

Title: Need to develop and protect Kakolat Waterfall in Navada district, Bihar.

डॉ. भोला सिंह : महोदय, आप स्वयं बिहार से आते हैं और हमारी और आपकी यात्रा वर्षों-वर्षों तक साथ-साथ रही है। बिहार का नवादा जिला क्रोनिक सुखाड़ की आत्मा है। नदियां प्यासी हैं, धरती प्यासी है और वहां सिंचाई का कोई साधन नहीं है।

महोदय, आपको मालूम है कि इस बियाबान में एक भारतीय स्तर का जल प्रपात काकोलत है। अन्नतकाल से यह नाद कर रहा है, स्पन्दन कर रहा है, कृतन कर रहा है, संकृतन कर रहा है और चिड़ियां इसके आसपास आकर बसेरा करती हैं। इस पर्यटक स्थल को देखने के लिए प्रतिदिन देशी और विदेशी यात्री आते हैं, विदेशी मुद्रा देते हैं पर इस पर्यटक स्थल को जोड़ने के लिए जो नेशनल हाईवे-31 है, फतेहपुर से लेकर काकोलत तक, इस रोड़ के किनारे दो-दो प्रखण्ड मुख्यालय हैं।

महोदय, 17 किलोमीटर जाने में चार घंटे लगते हैं। वहां रोड नहीं हैं, गड्डे हैं। न जाने कितने सैंकड़ों लोगों की हड्डियां टूटी होंगी, न जाने कितनी सैंकड़ों गर्भवती महिलाओं का गर्भपात हुआ होगा, न जाने इस रोड ने कितनी ललिनाओं की मांग को धोया होगा। पिछले दिनों बिहार सरकार ने इस रोड को राजकीय उच्चपथ घोषित किया है। दो वर्ष हो गये, लेकिन किसी तरह की कोई कार्यवाही नहीं है।

महोदय, हम चाहते हैं कि यह सदन सर्वशक्तिमान है, आप आसन पर विराजमान हैं, हम चाहते हैं कि सदन के माध्यम से, आपके माध्यम से भारत सरकार का पर्यटन मंत्रालय इसे राष्ट्रीय स्तर का पर्यटक स्थल घोषित करके इस सड़क का एक राष्ट्रीय मान स्थापित करके इसका उद्धार करें। इस ओर मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट करता हूं।